



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 279]

नई दिल्ली, मंगलवार, अगस्त 17, 1993/शावण 26, 1915

No. 279] NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 17, 1993/SRAVANA 26, 1915

जल भूतल परिवहन मंत्रालय

(पत्तन पक्ष)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 17 अगस्त, 1993

सा. का. नि. 558(अ) —केन्द्र सरकार महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 132 की उपधारा (1) के साथ पठित धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, विशाखपट्टणम पत्तन न्यास मण्डल द्वारा बनाए गए और इस अधिसूचना के साथ संलग्न अनुसूची में विशाखपट्टणम पत्तन न्यास कर्मचारी (अवकाश यात्रा भत्ता) विनियम, 1993 का अनुमोदन करती है।

2. उक्त विनियम इस अधिसूचना के सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

[फा० सं० पी०आर०-12016/18/92-पी०ई०-1]

अशोक जोशी, संयुक्त सचिव

विशाखपट्टणम पोर्ट ट्रस्ट

महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 28 के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए विशाखपट्टणम पोर्ट ट्रस्ट का न्यासी मंडल, विशाखपट्टणम पोर्ट कर्मचारियों के (छुट्टी यात्रा रियायत) विनियम—1964 का अधिकरण करते हुए निम्नलिखित विनियमों को बनाता है, जो दि. 24-2-1964 को भारतीय राजपत्र में जी० एस० आर० 322 के नाम से प्रकाशित हुए थे। अर्थात् :—

1. (1) संक्षिप्त नाम प्रारम्भ और लागू होना :—

ये विनियम विशाखपट्टणम पोर्ट कर्मचारी (छुट्टी यात्रा रियायत) विनियम 1993 कहा जाएगा।

(2) ये विनियम केन्द्र सरकार के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।

2. परिभाषा :—इन विनियमों में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, :

(क) लेखा अधिकारी अर्थात् मंडल का वित्तीय सलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी या इसके द्वारा नामित कोई अधिकारी।

(ख) "मंडल", "अध्यक्ष", "उपाध्यक्ष" और विभाग-
ध्यक्ष का वही अर्थ होगा जो महापतन व्यास
अधिनियम 1963 में क्रमशः उनके लिए नियत
किया गया है।

(ग) "रिपोर्ट" माने इन शिनियमों के अन्तर्गत स्वीकार
फरने योग्य छुट्टी यात्रा रियायत।

(घ) "अनुगामीक प्राधिकारी" का वही अर्थ होगा जो
विगाखापट्टगम पोर्ट कर्मचारी (वर्गकारण, नियंत्रण,
पुनर्विचार के लिये प्रार्थना करना) विनियम,
1968 में इन शियमों के लिए नियत किया गया है।

(च) "कर्मचारी" माने नंदल का कर्मचारी।

(छ) "(पहली, दूसरी, तीसरी और चौथी श्रेणी कर्म-
चारियों" से वही अर्थ होगा जो केन्द्र सरकार के
मौर्यक नियम और अनुप्रूप नियम में उन के
लिये नियत किया गया है।

(ज) "भारत में एक जगह" अर्थात्—भारत के अन्तर्गत कोई भी ज्ञेत्र हो सकता है, जहाँ वह जमीन पर हो या समुद्र पर स्थित हो।

(झ) "लवृतम सीधे मार्ग" का वही अर्थ होगा जो
अनुप्रूप नियम 30 में और इनके अन्तर्गत समय-
समय पर दिये गये आदेशों में दिया गया है।

(ट) "परिवार" माने अनुप्रूप नियम 2(8) में
बताया गया परिवार।

(ठ) "निरुट सम्बन्धी" अर्थात् खून या वैवाहिक संबंध
जो भी हो।

3. प्रयुक्ति क्षेत्र :—(1) उपविनियम 2 में दिये गये
प्रावधान के तदनुरूप ये विनियम मंडल के सभी वर्गों के
कर्मचारियों पर लागू होने जिनमें निम्नलिखित भी शामिल
हैं :—

(क) औद्योगिक एवं अनियमित कर्मचारी वर्ग जो
नियमित छुट्टियों के लिये हकदार हो।

(ख) कान्टेक्ट बेसिस पर नियुक्त कर्मचारी

(ग) पुनः नियुक्त कर्मचारी

(घ) राज्य सरकार के वे कर्मचारी जो पोर्ट ट्रस्ट में
प्रतिनियुक्त हैं :—

(2) ये विनियम उन कर्मचारियों पर लागू नहीं
होंगे :—

(क) जो पूर्ण कालिक रूप से नियुक्त नहीं हैं।

(ख) जो अनियमित और दैनिक मजदूरी पर नियुक्त
हैं।

(ग) जिन्हें आकस्मिक निधि से भुगतान किया जाता
है।

(घ) जो छुट्टी के दौरान अधिकारी अन्यथा उपसंघ
किसी प्रकार के यात्रा भत्ते के हकदार हैं।

4. कुछ श्रेणियों के कर्मचारियों के संबंध में प्रियोग
प्रावधान :—

(1) विनियम 3 के उपविनियम (1) खंड (ख)
(ग) और (घ) में उल्लिखित श्रेणियों के कर्मचारियों को छुट्टी यात्रा भत्ता बोर्ड की एक वर्ष की सेवा प्रवृत्ति की समाप्ति पर ही अनुमेय होगा बशर्ते कि होम टाउन के लिए छुट्टी यात्रा भत्ते के संबंध में समुचित प्राधिकारी यह प्रमाणित कर दे कि सम्बन्धित कर्मचारी दो वर्ष तक बोर्ड की सेवा में नियमित रहेगा तथा देश के किसी भी भाग के लिए छुट्टी यात्रा भत्ता के सम्बन्ध में बोर्ड में सेवा ग्रहण की तिथि से चार वर्ष तक सेवा में नियमित रहेगा।

(2) संविदा के प्रावधार पर नियुक्त अधिकारी जिनकी प्रारंभिक संविदा एक वर्ष के लिए है किन्तु बाद में बढ़ा दी जाती है उनके छुट्टी यात्रा रियायत के संबंध में उनकी कुल संविदा सेवा अवधि को दृष्टि में रखा जायेगा।

(3) सेवानिवृति के तुरत पावात् यिनी किसी अवधान के पुनः नियुक्त कर्मचारियों के छुट्टी यात्रा रियायत और पुनः नियुक्ति सेवा अवधि में अनुमेय रियायत के संबंध में उनकी पुनः नियुक्ति सेवा अवधि पूर्ण सेवा अवधि के नियन्तर मानी जायेगी। बशर्ते कि पुनः नियुक्त अधिकारी को छुट्टी यात्रा रियायत की अनुमति उस स्थिति में होगी जब वह सेवानिवृति होने की अपेक्षा नियन्तर सेवा अधिकारी के रूप में बना रहता है।

स्पष्टीकरण :—यदि किसी अधिकारी ने सेवानिवृति पूर्व चार वर्ष के ब्लाक में देश (भारत) के किसी भी भाग में यात्रा रियायत सुविधा का लाभ उठा लिया है तो विना किसी अवधान के पुनः नियुक्त होने पर वह उस विशेष चार वर्ष की ब्लाक अवधि की समाप्ति तक इस रियायत का लाभ नहीं उठा सकता।

5. अपार्टिं :—छुट्टी यात्रा रियायत मुद्रित का लाभ स्वयं कर्मचारी एवं उसका परिवार उड़ा सकता है।

6. होमटाउन में परिवर्तन :—(1) एक बार घोषित होम टाउन अंतिम मात्रा जायेगा। अवधारण लिंगियों में अध्यक्ष अध्यवा उपाध्यक्ष को ही अधिकार है कि वे ऐसी पूर्व घोषणा में परिवर्तन को मान्यता दें बशर्ते कि कर्मचारी की पूर्ण सेवाअवधि में ऐसा परिवर्तन के लिए एक बार ही किया जाये।

(2) "होम टाउन" से तात्पर्य है स्थायी निवास स्थान (शहर या गांव) जो संबंधित कर्मचारी की सेवा

पुस्तिका अथवा अन्य उचित कार्यालयी रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है अथवा ऐसा अन्य स्थान जिसे कर्मचारी ने होम टाउन के रूप में घोषित किया है और अध्यक्ष अथवा उपाध्यक्ष ने उसे अनुमोदित किया है।

(क) विस्तृत जांच के लिये निम्नलिखित मानदण्ड एक के बाद एक लागू किया जाये :—

- (1) क्या कर्मचारी द्वारा घोषित स्थान पर कर्मचारी की उपस्थिति कुछ समय बाद विभिन्न पारिवारिक और सामाजिक दायित्वों को निमाने की विष्ट से आवश्यक है, और यदि हाँ तो क्या सेवा में नियुक्ति के पश्चात् कर्मचारी उस स्थान पर बारूद्धार गया है;
- (2) क्या उस स्थान पर कर्मचारी की आवासीय सम्पत्ति है या क्या वह उस संयुक्त परिवार के सदस्य के रूप में संयुक्त सम्पत्ति का एक हकदार है;
- (3) क्या उसके नजदीकी रिश्तेदार उस स्थान के निवासी हैं; और
- (4) क्या बोर्ड की सेवा में आने से पूर्व कर्मचारी वहाँ कुछ वर्षों तक रहा था।
- (क) एक के बाद दूसरा मानदण्ड कभी लागू किया जाये जब पहला मानदण्ड संतोष-जनक न हो।
- (ख) यदि कर्मचारी या उसके परिवार की अपनी कोई आवासीय संपत्ति अथवा भू-संपत्ति एक से अधिक स्थानों पर है तो यह कर्मचारी की इच्छा पर निर्भर होगा कि वह किसी एक स्थान को अपना होम टाउन घोषित करे और उसका आधार बताये। कर्मचारी द्वारा घोषित होम टाउन को स्वीकार करने का अंतिम निर्णय अध्यक्ष अथवा उपाध्यक्ष का होगा।
- (ग) एक विशेष स्थान को होम टाउन के रूप में घोषित करने का मानदण्ड यदि वहाँ रहने वाले नजदीकी रिश्ते हैं तो उसे स्वीकृति तभी मिल सकती है जबकि नजदीकी रिश्तेदार स्थायी रूप से वहाँ के निवासी हों।

7. छुट्टी यात्रा रियायत के अधीन भारत में किसी स्थान के लिए यात्रा के स्थान की घोषणा :

जब कर्मचारी या उसके परिवार के किसी सदस्य द्वारा भारत में किसी स्थान की यात्रा के लिए रियायत का लाभ उठाने का प्रस्ताव है तब वह अपनी यात्रा के स्थान की जानकारी नियन्त्रक अधिकारी को पहले ही दे देगा। यात्रा का घोषित स्थान नियंत्रक अधिकारी के अनुमोदन से यात्रा प्रारम्भ करने से पूर्व परिवर्तित किया जा सकेगा

बाद में नहीं। यह केवल उन प्रसाधारण स्थितियों में परिवर्तित किया जा सकता है जब यह सिद्ध कर लिया जाये कि यात्रा प्रारम्भ से पूर्व परिवर्तन का आवेदन कर्मचारी उन परिस्थितियों के कारण नहीं कर सकता जो उसके नियंत्रण से बहुर थे। इस मामते में रियायत यात्रा-स्थिति केवल अध्यक्ष या उपाध्यक्ष ही दे सकता है।

8. छुट्टी यात्रा रियायत को प्राह्लाद :

(1) छुट्टी यात्रा रियायत के विभिन्न विधि (1) के खंड (ब), (ग) और (व) में विनियोग प्रवर्गों के व्यक्तियों को छुट्टी यात्रा रियायत तब अनुज्ञेय होगी, यदि उन्होंने उस तारीख के मण्डन के प्रतीत एक वर्ष की निरंतर सेवा पूरी कर ली हो जिसे तारीख से यथास्थिति वे या उनका परिवार रियायत का उमोग करने के लिए यात्रा आरंभ कर रहे हों।

(2) छुट्टी यात्रा रियायत आकस्मिक आवकाश और विशेष आकस्मिक आवकाश सहित फिरो भी अवाहन अवधि के दौरान अनुज्ञेय होगी।

(3) यदि पति और पत्नी दोनों ही बोर्ड के कर्मचारी हैं तो परिवार को अनुज्ञेय रियायत पति या पत्नी किसी एक को अनुज्ञेय मान के आधार पर निर्भर होने दोनों को नहीं।

9. छुट्टी यात्रा रियायत के प्रकार :

(क) होम टाउन के लिए छुट्टी यात्रा रियायत कर्मचारी के मुख्यालय और होम टाउन के बीच दूरी पर विचार किये गये दो कलेण्डर वर्षों के किसी ब्लाक में जैसे 1992-93, 1994-95, और उसके आगे के लिए एक बार अनुज्ञेय होगे।

(ख) भारत में किसी स्थान के लिए, छुट्टी यात्रा रियायत कर्मचारी के मुख्यालय से यात्रा के स्थान की दूरी को विचार में लाए जिसे चार कलेण्डर वर्षों के किसी ब्लाक में जैसे, 1990-93, 1994-97 और उसके आगे के लिए एक बार अनुज्ञेय होगी।

बास्ते यह है कि, किसी ऐसे कर्मचारी के संबंध में जैसे होम टाउन के लिए छुट्टी यात्रा रियायत अनुज्ञेय है, भारत में किसी भी स्थान के लिए, यदि वह छुट्टी यात्रा रियायत का उपर्याग करता है तो वह होम टाउन के लिए उपलब्ध छुट्टी यात्रा रियायत के बदले में होगी और उसे होम टाउन के लिए यात्रा प्रारम्भ करने के समय उपलब्ध छुट्टी यात्रा रियायत के प्रति समायोजित किया जायेगा।

(ग) ऐसा कोई कर्मचारी जिसका परिवार उसके द्वारा होम टाउन में रहता है तो, इस योजना के अधीन सभी रियायतों के बदले—जिसके अंतर्गत चार वर्षों के किसी ब्लाक के लिए, भारत के किसी स्थान की यात्रा के लिए वह और उसका

परिवार हकदार है—कर्मचारी केवल अपने लिए प्रत्येक वर्ष होम टाउन जाने का विकल्प दे सकता है।

10. विशिष्ट ब्लाक वर्षों में छुट्टी यात्रा रियायत की गणना :

छुट्टी यात्रा रियायत लेने वाले कर्मचारी और उसके परिवार के सदस्य यथास्थित दो वर्ष या चार वर्ष के किसी ब्लाक के दौरान विभिन्न अवधियों में विभिन्न समूहों में यात्रा कर सकेंगे। इस प्रकार से ली गयी रियायत की गणना उन दो वर्षों या चार वर्षों के उस ब्लाक वर्ष में की जाएगी जिसमें बाहर जाने की यात्रा प्रारंभ हुई, चाहे आपसी यात्रा उस दो वर्ष या चार वर्ष के ब्लाक की समाप्ति पर की गयी हो। यह विनियम 11 के नियंत्रणों के अनुसार अग्रनीत छुट्टी यात्रा रियायत लेने के लिए लागू होगा।

11. छुट्टी यात्रा रियायत का अग्रनयन :

कोई कर्मचारी जो दो वर्षों या चार वर्षों के किसी विशिष्ट ब्लाक में छुट्टी यात्रा रियायत नहीं ले पाता, वह उसका उपमोग दो वर्षों या चार वर्षों के अगले ब्लाक के प्रथम वर्ष के भीतर कर सकेगा। यदि कोई कर्मचारी स्वनगर के लिए छुट्टी यात्रा रियायत का हकदार है तो वह भारत में किसी स्थान के लिए छुट्टी यात्रा रियायत को चार वर्षों के ब्लाक के लिए तभी अग्रनीत कर सकेगा यदि उसने चार वर्षों के ब्लाक के भीतर दो वर्षों के दूसरे ब्लाक की बाबत स्वनगर के लिए छुट्टी यात्रा रियायत को अग्रनीत कर दिया है।

12. भारत में किसी स्थान के लिए छुट्टी यात्रा रियायत के अधीन कर्मचारी उसके परिवार के सदस्यों द्वारा यात्रा किए जाने वाला स्थान :

चार वर्षों के ब्लाक के दौरान कर्मचारी या उसके परिवार का सदस्य अग्रनी पसंद के विभिन्न स्थानों की यात्रा कर सकेगा। कर्मचारी के परिवार के सदस्य के लिए यह आवश्यक नहीं है कि वे उसी स्थान की यात्रा करें जिसकी यात्रा स्वयं कर्मचारों द्वारा उसी ब्लाक वर्ष के दौरान पूर्ण किसी समय में की गयी है।

13. हकदारी : (1) रेल द्वारा यात्रा—छुट्टी यात्रा रियायत के अधीन रेल द्वारा यात्रा के लिए विभिन्न श्रेणियों की बाह्य सुविधा की हकदारी निम्नलिखित के अनुसार होगी :—

- (1) कर्मचारी, जो रु. 3,200 प्रतिमास या उससे अधिक वेतन प्राप्त कर रहे हैं। द्वितीय श्रेणी वातानुकूलित
- (2) कर्मचारी, जो रु. 1,700 प्रतिमास और उससे अधिक किन्तु रु. 3,200 से कम वेतन प्राप्त कर रहे हैं। प्रथम श्रेणी।

(3) कर्मचारी जो प्रतिमास रु. 1,700 से कम वेतन प्राप्त कर रहे हैं। द्वितीय श्रेणी शायद यात्रा

(2) सड़क द्वारा यात्रा :—ऐसे स्थानों के बीच को दूरी जो सड़क द्वारा जुड़े नहीं हैं यात्राओं के बच्चे के लिए मण्डल की सहायता, कर्मचारी को निम्नलिखित के अनुसार अनुमति होगी।

(1) जहाँ कोई ऐसी सार्वजनिक परिवहन प्रणाली जिसके यान नियन्त स्थानों के बीच नियमित अंतरालों पर और किराए की नियत दरों पर चलाए जाते हैं, विद्यमान हैं, वहाँ पर सहायता ऐसी प्रणाली द्वारा, परिवहन प्रणाली की समुचित श्रेणी की जगह के लिए प्रभारित वास्तविक भाष्टा है।

टिप्पणी—समुचित श्रेणी से निम्नलिखित अधिक्रेत है—

(क) ऐसे अधिकारी जो रेल किसी भी प्रकार की बस द्वारा में प्रथम श्रेणी द्वारा जिसके अंतर्गत सुपर डीलक्स, यात्रा करने के हकदार हैं। डीलक्स एक्सप्रेस आदि हैं, किन्तु जिसके अंतर्गत बाता-नुकूलित बस नहीं हैं।

(ख) घाय अधिकारी

केवल साधारण बस द्वारा ही एक्सप्रेस बसों में की गयी यात्रा के लिए यात्रे भी नभी स्वीकार किये जा सकेंगे जब साधारण बसों में स्थानों (सीटों) की अनुपलब्धता के कारण से यात्रा वास्तव में ऐसी बस द्वारा की गयी है।

(2) उस यात्रा के लिए जो मात्र्यता प्राप्त सार्वजनिक परिवहन प्रणाली से नहीं जुड़े हैं वहाँ सहायता भारत सरकार के आदेश के अन्तर्गत निर्धारित उचित दर पर सड़क मील के आधार पर होगी।

(ii) उ.नि. 46 के नीचे।

(iii) उपविनियम (i) या उपविनियम (ii) के खंड (1) और (2) में फिरो बात के होते हुए भी, जहाँ कोई कर्मचारी सड़क द्वारा यात्रा कर रहा है, पब्लिक सेक्टर के पर्यटन विकास निगम, राज्य परिवहन निगम और अन्य सरकारी या स्थानीय निकायों द्वारा संचालित परिवहन सेवाओं द्वारा भारत में फिरी स्थान की यात्रा के लिए जालित किसी बस, वैन या अन्य यात्रा में कोई सीट या सीटें लेता है, वही उसकी प्रतिपूर्ति यदि वह यात्रा रेल द्वारा लघुत्तम सीधे मार्ग से उस श्रेणी द्वारा, जिसका वह हकदार है, की गयी होती, वास्तविक भाड़ा प्रभार या यात्रा के घोषित स्थान तक यात्रा पर प्रतिपूर्ति योग्य रकम तक,

इनमें से जो भी कम हो को जाएगी। किसी निजी कार (अपनी, उधार ली गयी या भाड़े पर ली गयी) या किसी बस, बैन या किसी प्राइवेट आपरेटर के स्वामित्वकीन अन्य यात्रा द्वारा की गई यात्रा के लिए प्रतिपूर्ति अनुशेय नहीं होंगी।

(3) विमान द्वारा :—जो स्थान रेल द्वारा जुड़े नहीं है, जहाँ कोई यात्रा का अनुकूल साधन नहीं है या अधिक महंगा है वहाँ कर्मचारी विमान द्वारा यात्रा कर सकेगा।

(4) भारत की सीमा में ऐसे स्थानों के संबंध में जो पोत परिवहन सेवा से जुड़े हैं, वहाँ कर्मचारी को पोत द्वारा यात्रा करने की हकदारी उपविनियम 40 उपबंधों के अनुसार होगी।

(5) ऐसे स्थानों के बीच यात्रा जो किसी प्रकार के परिवहन साधन से नहीं जुड़े हैं वहाँ कर्मचारी को पशु परिवहन—जैसे टद्दू हाथी, अंट आदि द्वारा यात्रा करने का हक है और ऐसे स्थानों में भीलभत्ता उसी घर से अनुशेय होगा जो स्थानान्तरण पर यात्रा के लिए अनुशेय है।

स्पष्टीकरण :—इस विनियम के प्रयोजन के लिए “बेतन” से वह बेतन अभिप्रेत होगा, जो मूल नियम 9(21) (क) (1) में परिभाषित है।

6. यदि कोई कर्मचारी अपना होमटाउन भारत से बाहर घोषित करता है और अध्यक्ष या उपाध्यक्ष को इस तथ्य संतुष्टि हो जाती है तो उसे होमटाउन जाने के लिए संतुष्टि हो जाती है तो उसे होमटाउन जाने के लिए रियायत पाने का हक होगा। ऐसे मामले में (i) भारत में होमटाउन से नजदीकी रेलवे स्टेशन से रेलवे स्टेशन तक (लघुत्तम दूरी से) अध्यक्ष (ii) भारत में एम्बारकेण डिस-एम्बारकेण के नजदीकी पोर्ट के रेलवे स्टेशन तक की यात्राओं को यूल्क से संबंधित मण्डल की सहायता शेयर तक सीमित कर दी जाएगी।

स्पष्टीकरण :—इस विनियम में नजदीकी पोर्ट से अभिप्रेत भारत के उस पोर्ट से है जो कर्मचारी के होमटाउन से नजदीक है।

14. एहतरका यात्रा के लिए रियायत :—स्वतंत्र रूप से यात्रा पर प्रत्यान और बापसी यात्रा के समय विद्यमान तथ्यों के प्रसंग में कर्मचारी के परिवार के सदस्यों को रियायत अनुशेय होंगे।

उदाहरण : 1. केवल बाहर जाने की यात्रा के लिए प्रतिपूर्ति पाने का हक :

(1) आधित पुत्र या पुत्री के होमटाउन जाने के बाद उसे नौकरी मिल जाने या शादी हो जाने पर अध्यक्ष बाहर जाने के बाद अध्ययन के लिए वहाँ रह जाने पर।

(2) परिवार जो होमटाउन की यात्रा पर गया है और होमटाउन से बापसी यात्रा का उनका कोई आशान नहीं ऐसी स्थिति में कर्मचारी ने अपने परिवार के सदस्यों द्वारा की जाने वाली बापसी यात्रा की निश्चिह्न तारीख के बारे में यात्रा रियायत लेने से पूर्व यदि निश्चिह्न रूप में दिया हो।

2. किंई लोट्टी यात्रा के लिए ही प्रतिपूर्ति का दृढ़दार :

(1) होमटाउन से हैडक्वार्टर स्टेशन तक आने वाली नवविवाहित पत्नी अध्यक्ष होमटाउन में रह रही पत्नी जिसने बाहरी यात्रा के लिए अपनी छुट्टी यात्रा रियायत का उपभोग नहीं किया है।

(2) अधिकत पुत्र या पुत्री, जो अध्ययत के लिए अध्यक्ष दादा, दादी के पास होमटाउन में रहने के उपरांत भावापिता के साथ बापस आ रहा/रही है।

(3) बच्चा जिसकी आयु पहले तीन वर्ष अध्यक्ष बारह वर्ष से कम थी परन्तु बापसी यात्रा के समय में उसकी उम्र तीन वर्ष या बारह वर्ष से अधिक हो गयी है।

(4) होमटाउन में रहने समय कर्मचारी द्वारा कानूनी रूप से गोद तियां दुप्रा भच्चा।

15. स्थानान्तरण अध्यक्ष दौरे से सम्मिलित छुट्टी यात्रा रियायत :

1. जब कोई कर्मचारी निश्चिह्न छुट्टी पर होमटाउन जाता है और वहीं से स्थानान्तरण हो कर नये हैडक्वार्टर पर जाता है उनकी बाहरी यात्रा के आधार पर उन्हें न्यूनतम स्थानान्तरण यात्रा भत्ता दिया जाएगा।

विनियम के तहत उन्हें पुराने हैडक्वार्टर से होमटाउन और होमटाउन से नये हैडक्वार्टर तक को कुल दूरी जहाँ तक की यात्रा भत्ता ग्राह्य है एवं 800 कि. मी. (चौथे ग्रेड के कर्मचारी के लिए 320 कि. मी.) तक यात्रा भत्ता सहित, छुट्टी यात्रा रियायत दिया जा सकता है।

उदाहरण :—यदि “क” पुराना हैडक्वार्टर है, “ख” स्वनगर और “ग” नया हैडक्वार्टर है, तो कर्मचारी को “क” “ख” दूरी सहित “ख” “ग” दूरी) छुट्टी यात्रा रियायत ग्राह्य होगा। घाटा (दूरी जिसके लिए यात्रा भत्ता ग्राह्य है—के साथ 800 कि. मी. अध्यक्ष 320 कि. मी. अधास्थिति के अनुसार)

(2) उपर्युक्तानुसार जिस दूरी के लिए रियायत अनुशेय है यदि वह उपेक्षापूर्ण है तो कर्मचारी इस प्रकार की रियायत, अन्य किसी अवसर पर उस ब्लाक अवधि में अन्य शर्तें पूरी करते हुए पाने का हकदार होगा। स्थानान्तरण यात्रा भत्ते का बाबा करते समय उसे स्वयं और परिवार के सदस्यों के लिए विकल्प देना होगा। रियायत का उपभोग

नहीं करने पर कर्मचारी द्वारा ली गयी किसी प्रकार की रियायत अधिकारी को उसके स्थानांतरण यात्रा भत्ता हक में समायोजित कर दिया जाएगा।

(3) जब कोई कर्मचारी सभुचित पूर्व अनुमति के साथ नियमित छुट्टी पर होमटाउन के लिए यात्रा स्टेशन से रवाना होता है और होमटाउन से सीधे हैडक्वार्टर लौटता है तो ऐसे कर्मचारी को दौरे पर हैडक्वार्टर से यात्रा स्टेशन तक जहाँ से वह होमटाउन के लिए जाता है तथा यात्रा स्टेशन से होमटाउन और हैडक्वार्टर में बापस आने की यात्रा के लिए रियायत दिया जाएगा, आगे की यात्रा के लिए यात्रा स्टेशन (स्टार्टिंग प्लाइट) प्रारम्भिक स्थान माना जायेगा।

(4) यदि कर्मचारी उचित पूर्व अनुमति के साथ स्वनगर से दूर स्टेशन तक जाना है और वहाँ से हैडक्वार्टर लौटना है तो उसे इन विनियमों के अधीन स्वीकार्य हैडक्वार्टर से स्वनगर तक का रियायत और स्वनगर से दूर स्टेशन और हैडक्वार्टर में बापसी यात्रा के लिए दूर पर यात्रा भत्ता दिया जाएगा।

16. प्रतिपूर्ति :— छुट्टी यात्रा रियायत योजना के अंतर्गत आनुषंगिक व्यय और स्थानीय यात्राओं पर उपगत व्यय की प्रतिपूर्ति नहीं की जायेगी। यात्रा के व्यय के लिए प्रतिपूर्ति केवल सीधे टिकट पर लाभुत्तम सीधे मार्ग से स्थान से स्थल तक की गयी यात्रा के आधार के पर अनुमेय होती है। यात्रा भत्ता बिल के साथ सामान्य प्रमाण पत्र के प्रभाव पर जिसमें यह दावा किया गया है कि कर्मचारी ने वास्तव में इस प्रकार की यात्रा की है और जिसके लिए प्रतिपूर्ति का दावा किया गया है उससे निम्न श्रेणी वाले निवास की यात्रा उन्होंने नहीं की है। (उसी श्रेणी की यात्रा की है) पर ही नगद प्रतिपूर्ति दिया जाएगा।

परिषिष्ट - 1 और 2 के अनुसार एक नियन्त्रक अधिकारी और एक तत्संबंधित कर्मचारी से दो प्रमाण पत्र यात्रा रियायत के लिए यात्रा भत्ता बिल सहित लेखा अधिकारी को प्रस्तुत करना होगा।

17. यात्रे का समय हरणः—छुट्टी यात्रा रियायत के अधीन यात्रा पर उपगत व्यय की प्रतिपूर्ति के लिए दावा, यदि कोई अधिकारी नहीं किया गया है तो बापसी यात्रा के पूरा होने के पश्चात तीन मास के भीतर प्रस्तुत किया जाएगा। ऐसा करने में असफल रहने पर, दावे का समयहरण हो जाएगा और इस संबंध में कोई शिफ्टिंगरण अनुशेय नहीं होता।

18. अधिकारी की मंजूरी और उसका समायोजन :—

(1) कर्मचारी को रियायत का उपभोग करने के लिए अधिकारी किया जाये ताकि अधिकारी की यह रकम, प्रत्येक मामले में उस प्राक्तिक रकम के 90% तक सीमित होगी जिसकी प्रतिपूर्ति मण्डल योनों और की यात्रा के व्यय के संबंध में करेगा।

(2) यदि कर्मचारी का परिवार इस से अलग यात्रा करता है तो परिवार के लिए अधिकारी भी अनुशेय सीमा तक पृथक रूप से लिया जा सकेगा।

(3) प्रस्थान यात्रा के प्रारम्भ के समय, प्रस्थान और बापसी दोनों यात्राओं के लिए अधिकारी द्वारा ली गयी छुट्टियों की अवधि या परिवार के सदस्यों की पूर्वानुमानित अनुपस्थिति की अवधि तीन भास (90 दिन) से अधिक नहीं है। यह अवधि इष सोना से अधिक है तो अधिक प्रस्थान यात्रा के लिए नियम जा पड़े।

(4) यदि दोनों और की यात्रा के लिए पहले ही अधिकारी लेने के उपरांत अवधि की सीमा 3 मास या 90 दिन की अवधि से अधिक हो जाती है तो अधिकारी की आधी रकम मण्डल को तुरन्त वापिस की जानी चाहिए।

(5) यदि अधिकारी मंजूर किए जाने के 30 दिन के भीतर बहिर्गमी यात्रा प्रारम्भ नहीं की जाती है तो पूर्ण अधिकारी का प्रतिदाय करना होगा। ऐसे मामलों में जहाँ आरक्षण बहिर्गमी यात्रा को प्रस्थानित तारीख से साठ दिन पहले कराया जा सकता है और तश्नीवर अधिकारी मंजूर किया जाता है वहाँ कर्मचारी को अधिकारी लेने के दस दिन के भीतर यात्रा प्रारम्भ करने की तारीख को विवार में लाए बिना, टिकटें वेश करतो चाहिए।

(6) यदि किसी कर्मचारी ने अधिकारी द्वारा लिया है, तो यात्रा पर उपगत व्यय की प्रतिपूर्ति के लिए दावा बापसी यात्रा के पूरा होने के एक मास के भीतर ही प्रस्तुत किया जाना चाहिए ऐसा नहीं करने पर कर्मचारी को अधिकारी की पूरी रकम एक मुश्त रकम के रूप में तुरन्त वापस करना होगा।

(7) अध्यारी कर्मचारी और उनके परिवार वालों के लिए अधिकारी किसी स्वाधीन कर्मचारी की जमाना पर दिया जाएगा।

(8) विनियमों के तहत लागू अधिकारी के मामले में छुट्टी यात्रा रियायत की अधिकारी देने के लिए मंजूरी जारी करते समय वह उस मंजूरी में (अपरिवर्तनीय नगानार रूप से) यह स्पष्ट हो कि मत्ती जाए कि कर्मचारी द्वारा छुट्टी यात्रा रियायत अधिकारी का उचित उपयोग नहीं करने पर अवधा सभाम प्राविधिकारी को उचित समय पर अधिकारी वापस नहीं करने अवधा मंजूरी में निहित शर्तों का अनुपालन नहीं करने पर, छुट्टी यात्रा रियायत अधिकारी मंजूर करने के नियम व शर्तों का उल्लंघन करने पर वाहन खरीद के लिए नियत ब्याज दर से अवधि 2½% की दर से पीनल व्याज (मोटर गाड़ी को छोड़कर) प्रभारित किया जायेगा।

19. छुट्टी यात्रा रियायत का काटपूर्ण दावा :—

(1) यदि अनुशासनिक प्राविधिकारी द्वारा छुट्टी यात्रा रियायत का काटपूर्ण दावा करने के ग्राहीय में किसी कर्मचारी के विश्व अनुशासनिक कार्यवाही शुरू करने का निष्पत्ति

किया जाता है तो ऐसे कर्मचारी को अनुशासनिक कार्यवाही पूरी होने तक छुट्टी यात्रा रियायत की अनुमति नहीं दी जाएगी।

(2) यदि अनुशासनिक कार्यवाही के परिणाम स्वरूप कर्मचारी पर वि. पो. द्र. कर्मचारी विनियम 1968 (वर्गीकरण, नियंत्रण और अधील) के विनियम 8 में निर्दिष्ट किसी प्रकार का दण्ड लगाया जाता है तो कर्मचारी को विचाराधीन अनुशासनिक कार्यवाही के दौरान रोके गये छुट्टी यात्रा रियायत के संबंधों के साथ दो आगामी संवर्ग अनुमेय नहीं होंगे। परिणामों के लेखबद्ध होने से नियंत्रक प्राधिकारी छुट्टी यात्रा रियायत के दो से अधिक संवर्ग को अनुमति देने से इंकार कर सकता है।

(3) यदि कर्मचारी को छुट्टी यात्रा रियायत के कपष्टूर्ग दावे के आरोप से पूर्णतः विमुक्त किया जाता है तो उपेभावी बनाम वर्षों में अतिरिक्त संवर्ग (संबंधों के रूप में पूर्ण विर्भासित विधियों का उभयोग करने के लिए अनुग्रह दो जारी परन्तु ऐसा उसके विवरण की सामान्यतारोत्र के पूर्व किया जाएगा।

स्पष्टीकरणः—इस विनियम के प्रयोजन के लिए विवरण -8 के खण्ड (क) और (ख) में विनिर्दिष्ट होमाटाउन के लिए छुट्टी यात्रा रियायत और भारत में किसी भी स्थान के लिए छुट्टी यात्रा रियायत, छुट्टी यात्रा रियायत के दो संवर्ग गठित करेगी।

20. निर्वाचनः—यदि इन विनियमों के उल्लंघनों में से किसी के संबंध में कोई संदेह है तो मामला भण्डल को निर्दिष्ट किया जाएगा, जो इसका विनियचय करेगा।

21. शिथिल करने की योजना :— इन विनियमों के उल्लंघनों के अतिरिक्त जहाँ अध्यक्ष या उपाध्यक्ष को यह संकुटित हो जाती है कि इन विनियमों के किसी नियम के प्रवर्तन से किसी विशिष्ट मामले में कठिनाई होती है तो अध्यक्ष या उपाध्यक्ष यथार्थि सेखबद्ध किए जाने वाले कारणों से आदेश द्वारा उस विनियम की अपेक्षाओं को उस सीमा तक और ऐसे अवश्यक एवं शर्तों के अधीन रहते हुए जो मामले को किसी न्यायसंगत और समान रीति में निपटाने के लिए आवश्यक समझे तो उन्हें अभिमुक्त या शिथिल कर सकते हैं।

22. व्यावृति :— सरकार के सभी विद्यमान अनुदेश जो इन विनियमों के किन्हीं उल्लंघनों के प्रतिकूल नहीं हैं और ऐसे अनुदेश जो समय-समय पर सरकार द्वारा जारी किए जाते हैं जो इन विनियमों में विनिर्दिष्ट नहीं आते हैं, तभी तक प्रवृत्त रहेंगे जब तक कि वे संशोधन उपांतरित या रद्द नहीं कर दिये जाते हैं।

टिप्पणी.— विशाखापट्टनम पोर्ट कर्मचारी (छुट्टी यात्रा रियायत) विनियम 1964 मूलतः सरकार द्वारा जारी किया गया है जेवे जी. एस. आर. सं. 322, दि.

24-2-1964 विनियमों को बाद में निम्नलिखित अधिसूचना में संशोधित किया गया :—

1. सं. पी. ई. वी. (63)/75, दि. 8-8-1975
2. सं. पी. ई. वी. (19)/77 दि. 1-8-1977
3. सं. पी. ई. वी. (42)/79 दि. 31-8-1979
4. सं. पी. ई. वी. (104)/78 दि. 21-7-1979
5. सं. पी. ई. वी. (8)/79, दि. 18-3-1981.

परिशिष्ट-I

प्रमाणित नियंत्रण अधिकारी से दी जाने वाली प्रमाण पत्रः

(1) श्री/श्रीमती/कुमारी (कर्मचारी का नाम) —————— ने बाहर जाने की यात्रा प्ररम्भ करने की तारीख को लगातार एक वर्ष अथवा एक वर्ष से अधिक की सेवा अवधि को पूरा किया है।

(2) इन विनियमों के विनियम 24 के प्रतीत अनेकित जल्दी प्रविभिन्नों श्री/श्रीमती/कुमारी —————— की सेवा पुस्तिका में दर्ज की गयी है।

अध्यक्ष/उपाध्यक्ष के हस्ताक्षर

परिशिष्ट-II

कर्मचारी द्वारा दिया जाने वाला प्रमाण पत्रः

(1) मैंने 19 —————— और 19 —————— ब्लाक वर्ष में स्वयं या अपने परिवार के सदस्यों के लिए अब तक छुट्टी यात्रा रियायत का कोई अन्य दावा पेश नहीं किया है।

(2) मैं अपने/अपनी पत्नी द्वारा —————— बच्चों के साथ की गई यात्रा के लिए छुट्टी यात्रा रियायत का यात्रा भत्ता पहले ही ले चुका हूँ। यह दावा मेरी/मेरी पत्नी द्वारा —————— बच्चों के साथ की गयी यात्रा का है, इनमें से किसी ने भी इसमें पहले पार्टी के साथ यात्रा नहीं की है।

(3) मैंने स्वयं/मेरी पत्नी ने —————— बच्चों सहित दो वर्ष 19 —————— 19 —————— के ब्लाक में की गयी यात्रा के संदर्भ में छुट्टी यात्रा रियायत के लिए यात्रा भत्ता नहीं लिया है। मैंने/मेरी पत्नी ने —————— बच्चों सहित इस ब्लाक से संबंधित रियायत का उपभोग नहीं किया है।

यह दावा की गयी यात्रा के लिए है।

(4) मैं वर्ष —————— में कोई गई यात्रा के संबंध में छुट्टी यात्रा रियायत भत्ता पहले ही ले चुका हूँ। यह यात्रा भत्ता 19 —————— और 19 —————— के दो ब्लाक वर्षों के लिए लिया गया है। चूंकि मेरे परिवार के सभी सदस्य मेरे कार्यस्थल से दूर रहते हैं अतः मुझे यह रियायत निर्धारित ब्लाक वर्ष के लिए वर्ष में एक बार होमाटाउन जाने के लिए अनुमेय है।

(5) नामतः घोषित किये गये होमटाउन
लिए मैंने/मेरी पत्नी ने बच्चे सहित/—
बच्चों सहित यात्रा की है।

(6) मेरा पति/मेरी पत्नी मण्डल सेवा में नियुक्त
नहीं है। और उसके द्वारा पृथक रूप से प्रपने या परिवार
के किसी सदस्य के लिए यात्रा स्थियायत संवंधित दो वर्ष
के ब्लाक के लिए नहीं लिया गया है।

कर्मचारी के हस्ताक्षर

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing) NOTIFICATION

New Delhi, the 17th August, 1993

G.S.R. 558(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of Section 124, read with sub-section (i) of Section 132 of the Major Ports Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the Visakhapatnam Port Employees (Leave Travel Concession) Regulations, 1993 made by the Board of Trustees for the Port of Visakhapatnam and set out in the Schedule annexed to this notification.

2. The said regulations shall come into force on the date of publication of this notification in the official Gazette.

[No. PR. 12016/18/92-PG. I]

ASHOKE JOSHI, Lt. Secy.

VISAKHAPATNAM PORT TRUST

NOTIFICATION

In exercise of the powers conferred by Section 28 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Board of Trustees of the Visakhapatnam Port hereby makes the following Regulations, in supersession of the Visakhapatnam Port Employees' (L.T.C.) Regulations, 1964 published as G.S.R. 322, dt. 24-2-1964 in the Gazette of India; viz.

1. Short title and commencement.—(1) These Regulations may be called the Visakhapatnam Port Trust Employees' (Leave Travel Concession) Regulations, 1993.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Central Government Gazette.

2. Definitions.—In these Regulations, unless the context otherwise requires :

(a) "Accounts Officer" means the Financial Adviser & Chief Accounts Officer of the Board or any of the Officer nominated by him.

(b) "Board", "Chairman", "Dy. Chairman" and "Head of Department" shall have the same meanings as assigned to them in the Major Port Trusts Act, 1963.

(c) "Concession" means the "Leave Travel Concession" admissible under these Regulations.

(d) "Disciplinary authority" shall have the same meaning as assigned to it in the Visakhapatnam Port Employees' (Classification, Control & Appeal) Regulations, 1968.

(e) "Employee" means an employee of the Board.

(f) "First, Second, Third, Fourth Grade Employees" will have the same meanings as assigned to them in the Fundamental Rules and Supplementary Rules of the Central Government.

(g) "A place in India" will cover any place within the territory of India, whether it is on the mainland or overseas.

(h) "Shortest direct route" shall have the same meaning as given in Supplementary Rule 30 and orders issued thereunder from time to time.

(i) "Family" means family as defined in Supplementary Rule 2(8).

(j) "Near relation" means—any relation by blood/affinity.

3. Extent of application.—(1) Subject to the provisions of Sub-Regulation (2) these Regulations shall apply to the employees of the Board of all grades including :

(a) The industrial and workcharged staff who are entitled to regular leave;

(b) The employees appointed on contract basis.

(c) The re-employed employees.

(d) The employees under the State Government, who are on deputation to the Port Trust.

(2) These Regulations shall not apply to :

(a) Employees not in whole time employment.

(b) Employees in casual and daily rated employment.

(c) Employees paid from contingencies.

(d) Employees eligible to any other form of travel concession available during leave or otherwise.

4. Special provisions regarding certain categories of employees.—(1) In the case of employees belonging to categories mentioned in clauses (b), (c) and (d) of Sub-Regulation (1) of Regulation 3, the leave travel concession shall be admissible on completion of one year's continuous service under the Board and provided that it is certified by the appropriate authority, that the employee concerned is likely to continue to serve under the Board for a period of at least two years in the case of Leave Travel Concession to hometown and atleast four years in the case of leave travel concession to any place in India to be reckoned from the date of his joining the post under the Board.

(2) In the case of Officers appointed on contract basis, where the initial contract is for one year but is later extended, the total duration of the contract will be taken into account for the purpose of leave travel concession.

(3) In the case of persons re-employed, immediately after retirement without any break, the period of re-employed service will be treated as continuous with the previous service for the purpose of leave travel concession and the concession allowed for the re-employed period, provided that the leave travel concession would have been admissible to the re-employed Officer, had he not retired but had continued as serving Officer.

Illustration.—If an Officer has availed of the concession to visit any place in India in respect of a block of four years before his retirement and he is re-employed without any break, he cannot avail this concession till the expiry of the particular block of four years.

5. Scope.—The leave travel concession will cover the employee himself and his family.

6. Change of Hometown.—(1) The home town once declared shall be treated as final. In exceptional circumstances, the Chairman or Dy. Chairman may authorise a change in such declaration provided that such a change shall not be made more than once during the service of an employee.

(2) "Home Town" means the permanent home town or Village as entered in the service book or other appropriate official record of the employee concerned or such other place as has been declared by him, and accepted by the Chairman or the Dy. Chairman.

(a) For detailed check, the following criteria shall be applied one after the other :—

- (i) Whether the place declared by the employee is the one which requires his physical presence at intervals for discharging various domestic and social obligations, and, if so, whether after his entry into service, the employee had been visiting that place frequently;
- (ii) Whether the employee owns residential property in that place or whether he is a member of a joint family having such property there;
- (iii) Whether his near relations are residents in that place; and
- (iv) Whether, prior to his entry into the Board's service, the employee had been living there for some years.

The criteria, one after the other, need be applied only in cases where the immediate preceding criterion is not satisfied.

(b) Where the employee or the family of which he is a member owns residential or landed property in more than one place, it shall be left to the employee to make a choice of any such place as his home town giving reasons for the same, provided that the decision of the Chairman or Dy. Chairman whether or not to accept such a place as the home town of the employee shall be final.

(c) Where the presence of near relations at a particular place is to be the determining criterion for the acceptance of declaration of "Home Town", the presence of near relations should be of more or less permanent nature.

7. Declaration of place of visit under LTC to any place in India.—When the concession to visit any place in India is proposed to be availed of by an employee or any member of the family of such employee, the intended place of visit shall be declared by the employee to his controlling Officer. The declared place of visit may be changed before the commencement of the journey with the approval of his controlling Officer but it may not be changed after the commencement of the journey except in exceptional circumstances where it is established that the request for change could not be made before the commencement of the journey owing to the circumstances beyond the control of the employee. This relaxation may be made by the Chairman or Dy. Chairman as the case may be.

8. Admissibility of LTC.—(1) The Leave Travel Concession shall be admissible to persons of the categories specified in clauses (b), (c) and (d) of sub-regulation (1) of Regulation 3, only if they have completed one year's service under the Board on the date of journey performed by him or his family, as the case may be, to avail of the concession.

(2) The leave travel concession shall be admissible during any period of leave, including casual leave and special casual leave.

(3) Where both the husband and wife are employees of the Board the concession shall be admissible to the family on the scale admissible to the husband or wife but not both.

9. Types of Leave Travel Concession.—(a) The leave travel concession to home town shall be admissible irrespective of the distance between the head quarters of the employee and his home town, once in a block of two calendar years, such as 1992-93, 1994-95, and so on;

(b) The leave travel concession to any place in India shall be admissible irrespective of the distance of the place of visit from the head quarters of the employee, once in a block of four calendar years, such as 1990-93, 1994-97 and so on;

Provided that in the case of an employee to whom leave travel concession to home town is admissible, the leave travel concession to any place in India availed of by him shall be in lieu of, and adjusted against the leave travel concession to home town available to him at the time of the commencement of the journey ;

(c) An employee whose family lives away from him at his hometown may, in lieu of all concessions under this scheme, including the leave travel concession to visit any place in India once in a block of four years which would otherwise be admissible to him and members of his family, choose to avail of leave travel concession for self only to visit the home town every year.

10. Counting of L.T.C. against particular blocks : An employee and members of his family availing of Leave Travel Concession may travel in different groups at different times during a block of two or four years, as the case may be. The concession so availed of will be counted against the block of two years or four years within which the outward journey

commenced, even if the return journey was performed after the expiry of the block of two years or four years. This will apply to availing of leave travel concession carried forward in terms of Regulation 11.

11. Carry over of Leave Travel Concession : An employee who is unable to avail of the leave travel concession within a particular block of two years or four years may avail of the same within the first year of the next block of two years or four years. If an employee is entitled to Leave Travel Concession to Home Town, he can carry forward the Leave Travel Concession to any place in India, for a block of four years only if he has carried forward the leave travel concession to home town in respect of the second block of two years within the block of four years.

12. Place to be visited by employees and members of his family under LTC to any place in India : An employee and each member of his family may visit different places of their choice during a block of four years. It shall not be necessary for members of family of an employee to visit the same place as that visited by the employee himself at any time earlier during the same block.

13. Entitlement. (1) Journey by rail :—For travel by train under leave travel concession, entitlement to different classes of accommodation shall be as under :—

(i) Employee in respect of pay of Rs. 3200/- and above per mensem.	Second class air-conditioned two-tier sleeper/first class.
(ii) Employee in respect of pay of Rs. 1700/- and above but less than Rs. 3200/- per mensem.	First class/air-conditioned Chair Car.
(iii) Employee in respect of pay of less than Rs. 1700/- per mensem.	Second Class sleeper.

(2) Journey by Road : The board's assistance towards the cost of journeys between places not concerned by rail will be admissible to the employee as under :—

(i) Where a public transport system with vehicles running between fixed points, at regular intervals and charging fixed rates exists, the assistance is the fare actually charged by such a system for the appropriate class of accommodation of the transport system.

NOTE : 'Appropriate class' means as follows :

(a) Officers entitled to travel by I Class on rail.	By any type of Bus including Super Deluxe, Deluxe, Express, etc., but excluding Air-conditioned Bus.
---	--

(b) Other Officers:

By ordinary bus only. The claims for travel in Express Bus may also be admitted, if the journey is actually performed by such bus on account of non-availability of seats in ordinary bus.

- (ii) For the portion of journey not connected by a recognised public transport system, the assistance shall be on the basis of road mileage at the appropriate scheduled rate as laid down under Government of India order (ii) below S. R. 46.
- (iii) Notwithstanding anything contained in sub-regulation (1) or clauses (i) and (ii) of Sub-regulation (2), where an employee travelling by road takes a seat or seats in a bus, Van or other vehicles operated by Tourism Development Corporation in the Public sector, States Transport Corporation and Transport Services run by other Government or local bodies to visit any place in India, the reimbursement shall be either the actual hire charges or the amount reimbursable on the journey to the declared place of visit had the journey been undertaken by entitled class by rail by the shortest direct route, whichever is less. Reimbursement shall not be admissible for journey by a private car (owned, borrowed or hired), or a bus, van or other vehicle owned by Private operators.

(3) By Air : The employee may travel by air between places not connected by rail, where an alternative means of travel is either not available or is more expensive.

(4) In regard to places in territory of India connected by shipping services : The entitlement of an employee to travel by ship will be regulated in accordance with the provisions of S. R. 40.

(5) Travel between places not connected by any means of Transport : For travel between place not connected by any other means of transport, an employee can avail of animal transport like pony, elephant, camel, etc. In such cases, mileage allowance will be admissible at the same rate as per journeys on transfer.

Explanation : For the purpose of this Regulation 'Pay' shall mean pay as defined in Fundamental Rule 9(21)(a)(1) drawn as on the date of commencement of the journey.

(6) An employee who declares, subject to the satisfaction of the Chairman or Dy. Chairman that his Home town is outside India, shall be entitled to the concession for visiting his Home town. The Board's assistance in such a case shall be limited to the share of the fares for journeys (i) upto and from

the railway station (by the shortest route) nearest to the home town in India or (ii) the railway station for the nearest port of embarkation/dis-embarkation in India.

Explanation :—In this regulation 'nearest Port' means the port in India nearest to the home town of the employee.

14. Concession for one way journey :—The concession shall be admissible to the members of employee's family with reference to the facts existing at the time of the forward and return journeys independently.

Illustration :—I. Entitled to reimbursement in respect of the outward journey only :—

- (i) A dependent son or daughter getting employment or getting married after going to home town or remaining there for prosecution of studies ;
- (ii) The family having performed the journey to home town have not intention of completing the return journey from the home town provided the employee forgoes in writing the concession in respect of the return journey if performed by the family members at a subsequent date.

II Entitled to re-imbursement in respect of return journey only :—

- (i) A newly married wife coming from home-town to head quarter's station or a wife who has been living at home town and did not avail herself of the leave travel concession in respect of the outward journey.
- (ii) A dependent son or daughter returning with parents or coming one from home-town where he or she has been prosecuting studies or living with grand parents etc
- (iii) A child who was previously below three or twelve years of age but has completed three or twelve years of age only at the time of the return journey ;
- (iv) A child legally adopted by an employee while staying in the home town.

15. LEAVE TRAVEL CONCESSION IN COMBINATION WITH TRANSFER OR TOUR : (1)

Where an employee going to home town on regular leave proceeds therefrom on transfer to the new headquarters he may be allowed as his minimum entitlement, transfer travelling allowance admissible under the Regulations. He may be allowed, in addition, leave travel concession under the regulations to the extent the distance from old head quarters to home town and from home town to the new headquarters exceeds the total distance for which transfer travelling allowance is admissible plus 800 kilometres (320 kilometres in the case of employees of fourth grade).

Illustration : If 'A' is the old head-quarters, 'B' home town and 'C' the new head-quarters, the entitlement of the employee on account of leave travel concession will be, distance AB plus distance BC

minus (distance for 320 kilometres, as the case may be).

(2) In case where the distance for which the concession admissible as above is negligible, it will be open to the employee not to avail of it at all, he being permitted to avail of it on some other occasions within the block period, subject to the other conditions being fulfilled. The option has to be exercised in respect of self and the members of the family at the time of preferring claim for Transfer Travelling Allowance. When the concession is not availed of, the concession advance, if any, taken by the employee shall be adjusted against his transfer travelling allowance entitlement.

(3) When an employee proceeds with proper prior permission to home town on regular leave from a tour station and returns to head-quarters direct home town, travelling allowance as on tour may be allowed to him for the journey from the head-quarters to the tour station from which the employee proceeds to home town and the concession for the journey from tour station to home town and back to head-quarters, the tour station being deemed to be the starting point for the onward journey.

(4) In case employee proceeds to a tour station from home town with proper prior permission and returns to head-quarters therefrom, he may be allowed the concession as admissible under these regulations from head-quarters to home town and travelling allowance as on tour from the journey from home town to tour station and back to head-quarters.

16. Reimbursement :—Reimbursement under leave travel concession scheme shall not cover incidental expenses and expenditure incurred on local journeys. Reimbursement for expenses of journey shall be allowed only on the basis of a point to point journey on a through ticket over the shortest direct route. Cash Reimbursement shall be made on presentation of claims in Travelling allowance bill forms with the usual certificate to the effect that they had actually performed such journeys and travelled by the class of accommodation not lower than the one for which reimbursement is claimed.

Two certificates, one from the controlling Officer and the other from the employee concerned as at Appendices I and II shall be submitted to the Accounts Officer along with Travelling Allowance bills for travel concession.

17. Forfeiture of claim.—A claim for reimbursement of expenditure incurred on journey under leave travel concession shall be submitted within three months after the completion of the return journey if no advance had been drawn. Failure to do so will entail forfeiture of the claim and no relaxation shall be permissible in this regard.

18. Grant of advance and adjustment thereof :—

- (i) Advance may be granted to employees to enable them to avail themselves of the concession. The amount of such advance in each case shall be limited to 90 per cent of the estimated amount which Board would have to reimburse in respect of the cost of the journey both ways.

- (ii) If the family travels separately from the employees, the advance may also be drawn separately to the extent admissible.
- (iii) The advance may be drawn both for the forward and return journeys at the time of the commencement of the forward journey, provided the period of leave taken by the employee or the period of anticipated absence of the members of the family does not exceed three months or ninety days. If this limit is exceeded, than the advance may be drawn for the outward journey only.
- (iv) If the limit of three months or ninety days is exceeded after the advance had already been drawn for both the journey, one half of the advance should be refunded to the Board forthwith.
- (v) The advance should be refunded in full if the outward journey is not commenced within 30 days of the grant of advance. However, in cases where reservation can be made sixty days before the proposed date of the outward journeys and advance is granted accordingly, the employee should produce the tickets within ten days of the drawal of advance, irrespective of the date of commencement of journey.
- (vi) Where an advance has been drawn by an employee, the claim for re-imbursement of the expenditure incurred on the journey shall be submitted within one month of the completion of the return journey. On an employee's failure to do so, he shall be required to refund the entire amount of advance forthwith in one lumpsum.
- (vii) The advance in respect of temporary employees and their families will be sanctioned subject to the production by them of surety of a permanent employee.
- (viii) In cases of advances regulated under these regulations, while issuing the sanction granting the LTC advance, the sanctions should invariably stipulate that in cases where the employees have not properly used the LTC advance in time to the satisfaction of the competent authority or the conditions laid down in the sanction are not complied with or if the rules for granting advances for LTC have been violated a penal interest @ 2-1/2 per cent above the rate of interest for purchase of conveyances (other than Motor Cars) shall be charged.

19. Fraudulent claim of leave travel concession:—

- (1) If a decision is taken by the Disciplinary Authority to initiate disciplinary proceedings against an employee on the charge of preferring a fraudulent claim of leave travel concession, such employee shall not be allowed the leave travel concession till the finalisation of such disciplinary proceedings.

- (2) If the disciplinary proceedings result in imposition of any of the penalties, specified in Regulation 8 of the Visakhapatnam Port Employees' (Classification, Control and Appeal) Regulations, 1968 the employee shall not be allowed the next two sets of the LTC in addition to the sets already withheld during the pendency of the disciplinary proceedings. For reasons to be recorded in writing, the controlling authority can also disallow more than two sets of leave travel concession.
- (3) If the employee is fully exonerated of the charge of fraudulent claim of leave travel concession, he shall be allowed to avail of the concession withheld earlier as additional set(s) in future block years but before the normal date of his superannuation.

Explanation.—For the purpose of this regulation, leave travel concession to home town and leave travel concession to any place in India as specified in clauses (a) and (b) of Regulation 8 shall constitute two sets of the leave travel concession.

20. Interpretation.—If there is any doubt regarding any of the provisions in these regulations the matter shall be referred to the Board which shall decide the same.

21. Power to relax.—Save as otherwise provided in these regulations, where Chairman or Dy. Chairman is satisfied that the operation of any of these regulations causes undue hardship in any particular case, the Chairman or Dy. Chairman as the case may be, may by order, for reasons to be recorded in writing, dispense with or relax the requirements of that Regulation to such extent and subject to such exceptions and conditions as it may consider necessary for dealing with the case in a just and equitable manner.

Provided that no such order shall be made except with the concurrence of the Accounts Department.

22. Saving.—All the existing instructions of the Govt. which are not contrary to any of the provisions of these regulations and all instructions issued from time to time by the Govt. which cover matters not specifically covered by these regulations, shall continue to be in force until they are amended, modified or cancelled.

Note:—The Visakhapatnam Port Employees' (Leave Travel concession) Regulations, 1964, were originally issued by the Govt. vide, G.S.R. No. 322, dt. 24th February 1964. The Regulations were subsequently amended vide, Notifications mentioned below:—

1. No. PEV(63)|75, dt. 8-8-75.
2. No. PEV(19)|77, dt. 1-8-77.
3. No. PEV(42)|79, dt. 31-8-79
4. No. PEV(104)|78, dt. 21-7-79.

5. No. PEV(8)79, dt. 18-3-81.
6. No. PR-12016/17/88-PEI, dt. 13-10-88.

APPENDIX-I

Certificate to be given by the Controlling Officer certified :—

- (a) that Shri|Shrimati|Kumari (name of the employee) has rendered continuous service for one year or more on the date of commencing the outward journey.
- (ii) that necessary entries as required under Regulation 24 of these Regulations have been made in the service book of Shri|Shrimati| Kumari.

Signature of the Chairman
Dy. Chairman

APPENDIX-II

Certificate to be given by an employee.

1. I have not submitted any other claim so far for leave Travel concession in respect of myself or my family members in respect of the block two years 19— and 19—.
2. I have already drawn T.A. for the Leave Travel Concession in respect of a journey performed by me|my wife with children|.....Children. This claim is in respect of journey performed by my wife|myself with children| none of whom travelled with the party on the earlier occasion.
3. I have not already drawn T.A. for the Leave Travel Concession in respect of a

journey performed by me|my wife with children| children in respect of the block of two years 19..... 19* by my wife|myself with children| children none of whom availed of the concession relating to that block.

This claim is in respect of the journey performed.

4. I have already drawn T.A. for the Leave Travel concession in respect of journey performed by me in the year 19.....in respect of block of two years 19..... and 19.....this claim is in respect of the journey performed by me in the year 19..... This is against the concession admissible once in every year in a prescribed block for visiting home town as all the members of my family are living away from my place of work.
5. The journey has been performed by me|my wife with children| children to the declared home town viz.
6. That my husband|wife is not employed in that my husband|wife is employed in Board's service and the concession has not been
Board's service availed of by him|her separately for himself or for any of the family members for the concerned block of two years.

Signature of the employee

